KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 5

कांग्रेस प्रणाली चुनौतियाँ और पुर्नस्थापना

भाग - 2

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चुनावों का संदर्भ

1967 → चुनाव

1966 - इ. गांधी

- दो प्रधानमंत्रियों का जल्दी जल्दी देहावसान
- नए प्रधानमंत्री को पद संभाले अभी एक वर्ष भी पूर्ण नहीं साथ ही इस प्रधानमंत्री को राजनीतिक लिहाज से कम अनुभवी माना गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



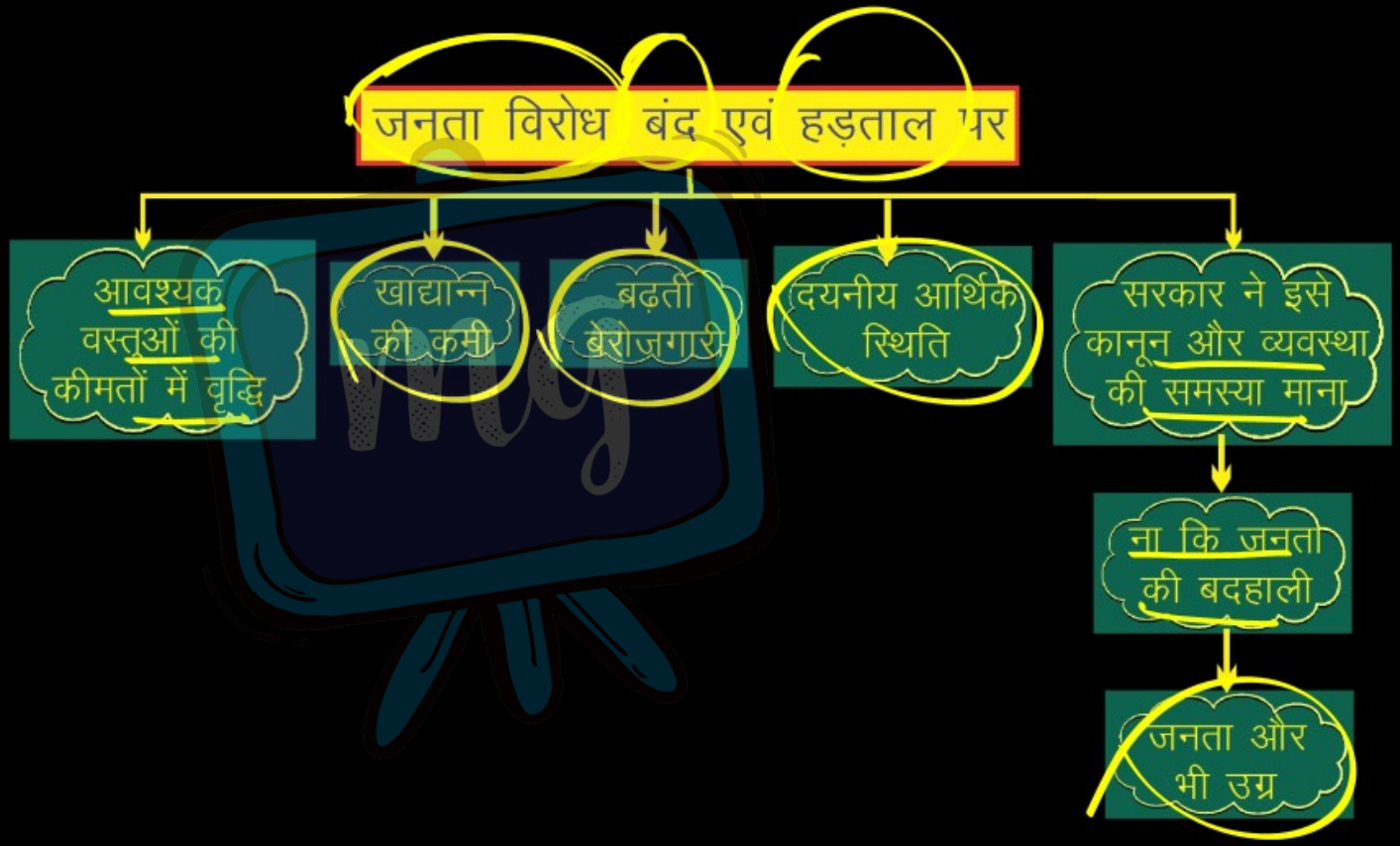
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- देश की विकट आर्थिक स्थिति।
- इंदिरा गांधी सरकार के शुरूआती फैसलों में एक रूपये का अवमूल्यन करना।
- पहले 1 अमरीकी डॉलर की कीमत 5 रूपये जो अब बढ़कर हो गयी = 7 रूपये।
- आर्थिक स्थिति की विकटता के कारण कीमतों में तेजी से इजाफा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- साम्यवादी और समाजवादी पार्टी ने व्यापक समानता के लिए संघर्ष छोड़ दिया।
- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से अलग हुए साम्यवादियों के एक समूह ने मार्क्सवादी - लेनिनवादी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बनाई और सशस्त्र कृषक विद्रोह का नेतृत्व किया।
- इस पार्टी ने किसानों के बीच विरोध को संगठित किया।
- इसी अवधि में गंभीर किस्म के हिंदु -मुस्लिम दंगे।

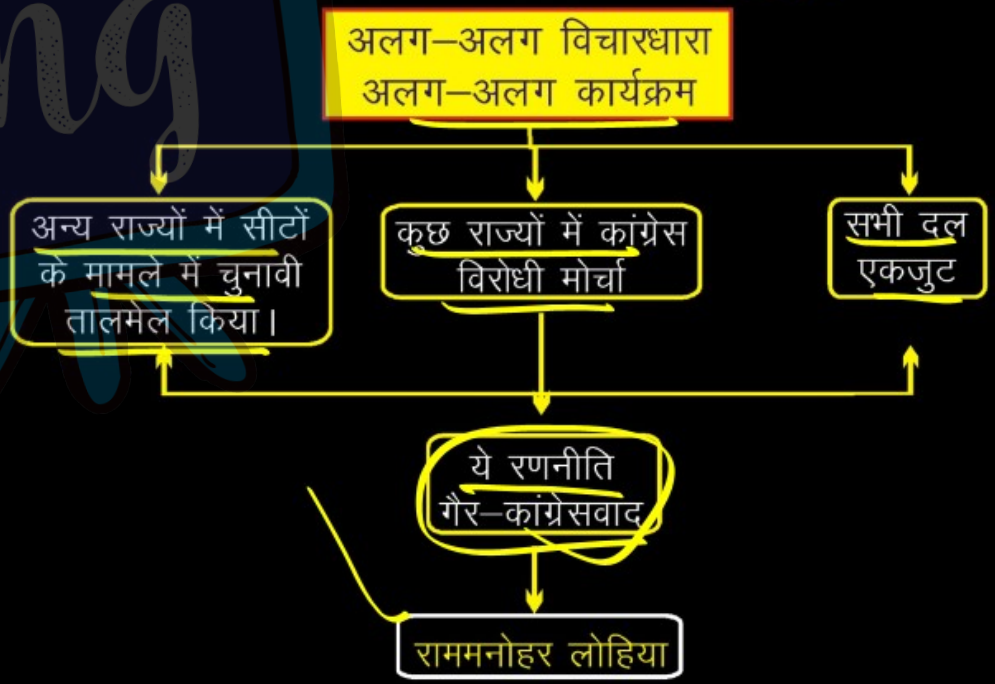
KOLORS
make life better

सिंडीकेट

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गैर-कांग्रेसवाद

- विपक्षी दल उठ रहे जनविरोध की अगुवाई कर रहे थे।
- कांग्रेस की विरोधी पार्टियों ने महसूस किया कि उनके वोट बंट जाने के कारण ही कांग्रेस सत्तासीन है।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने इस 'गैर-कांग्रेसवाद' के पक्ष में सैद्धांतिक तर्क दिये।
- कांग्रेस का शासन अलोकतांत्रिक और गरीब लोगों के हितों के खिलाफ।
- इसलिए गैस कांग्रेसी दलों को एक साथ आना जरूरी।
- ताकि गरीबों के हक में लोकतंत्र को वापस लाया जा सकें।



KOLORS
make life better

चुनावों का जनादेश

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

फरवरी 1967 में चौथे आम चुनाव

- नेहरू के बिना पहली बार कांग्रेस का सामना
- चुनाव परिणाम में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर कांग्रेस को धक्का
  - इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल के आधे मंत्री चुनाव हारे
  - जैसे–तैसे लोकसभा में बहुमत लेकिन प्राप्त सीटों एवं मतों के प्रतिशत में भारी कमी
  - 7 राज्यों में बहुमत नहीं मिला
  - दो अन्य राज्यों में दल–बदल के कारण कांग्रेस की सरकार क्यों बनी
  - ये 9 राज्य देश के हर भाग में कायम
- राजनीतिक भूकंप की संज्ञा

KOLORS
make life better

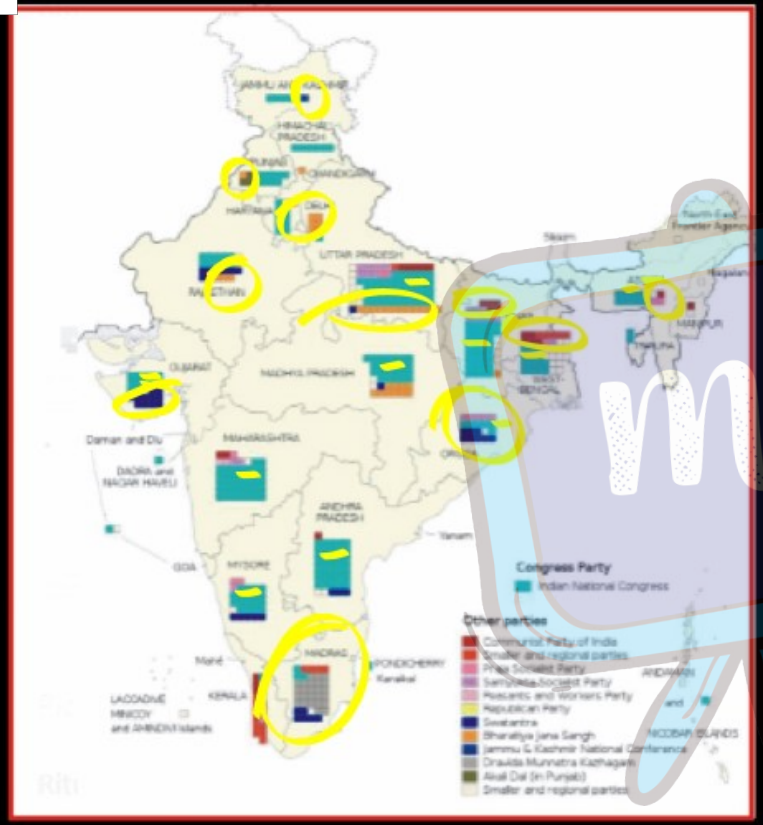
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

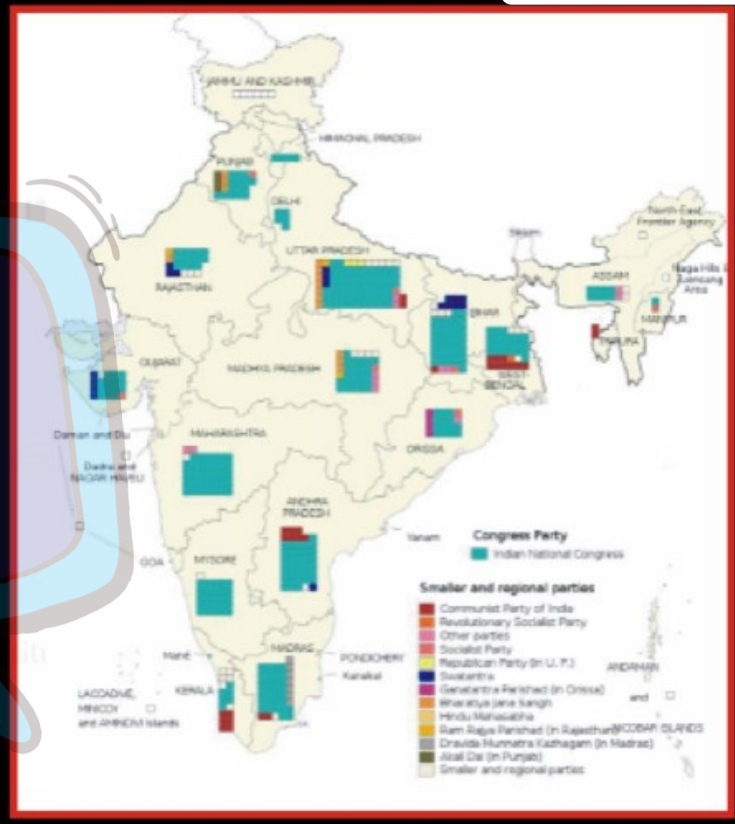
एक विचित्र अनुभव

- 'मद्रास प्रांत' में एक क्षेत्रीय पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कखगम पूर्ण बहुमत के सत्ता पाने में कामयाब रही।
- द्रविड़ मुनेत्र कखगम (DMK) हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर सत्ता में आई।
- यहां के घात हिंदी को राजभाषा के रूप में केन्द्र द्वारा अपने ऊपर थोपने का विरोध कर रहे थे।
- चुनावी इतिहास में पहली घटना जब किसी गैर कांग्रेसी दल को किसी राज्य में पूर्ण बहुमत मिला।
- आठ अन्य राज्यों में विभिन्न गैर- कांग्रेसी दलों की गठबंधन सरकारी बनी।
- लोग कांग्रेस को सत्तासीन देखने के अभ्यस्त थे - उनके लिए ये एक विचित्र अनुभव।

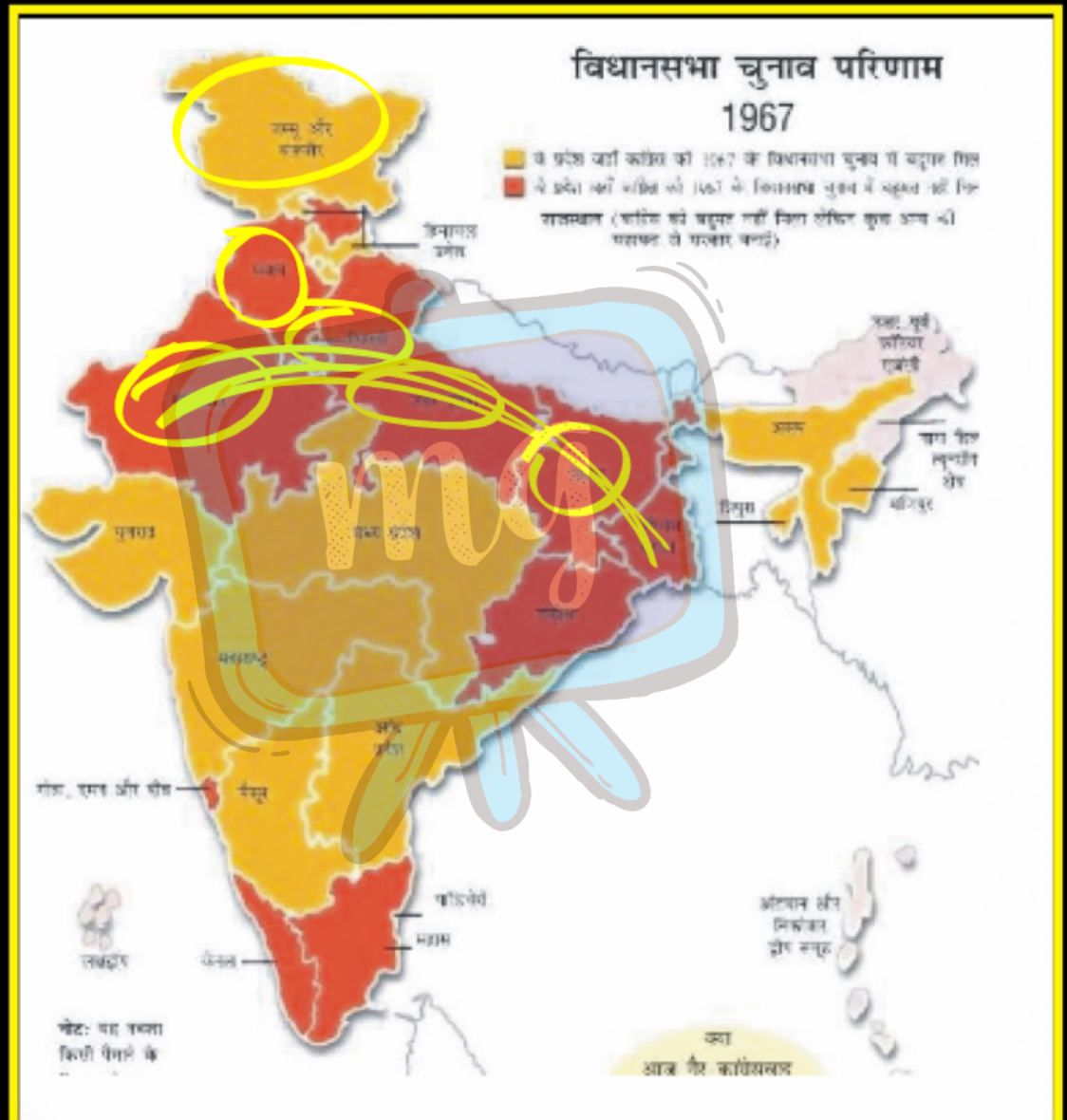
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





KOLORS
make life better



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER